कहानी का नाट्य रूपांतरण

प्रश्न 1) नाटक की विशेषताएँ बताइए।

उत्तर : - नाटक लेखक, निर्देशक, पात्र, दर्शक, श्रोता तथा अन्य लोगों को एक दूसरे से जोड़ता है।

- दृश्य का स्मृतियों से गहरा संबंध होता है। इसलिए नाटक एवं फिल्म को लोग देर तक याद रखते हैं।

- नाटक मंच पर प्रस्तुत किया जाता है। मंच सज्जा, संगीत, प्रकाश व्यवस्था का विशेष महत्व होता है।

- नाटक को अभिनेता मंच पर अभिनय द्वारा प्रस्तुत करता है।

प्रश्न 2) कहानी और नाटक में क्या समानताएँ होती हैं?

उत्तर : - कहानी और नाटक की एक कहानी होती है, पात्र, परिवेश होता है।

- कहानी का क्रमिक विकास होता है, संवाद होते हैं, द्वंद्व होता है, चरम-उत्कर्ष होता है।

प्रश्न 3) कहानी का नाट्य रूपांतरण करते समय कथावस्तु किस प्रकार की होनी चाहिए?

उत्तर : 1 - कथावस्तु को समय और स्थान के आधार पर विभाजित किया जाता है।

2 - घटनाओं के आधार पर नाटक के दृश्य बनाए जाते हैं।

3 - प्रत्येक दृश्य का कथानक के अनुसार औचित्य होना चाहिए।

4 - नाटक के प्रत्येक दृश्य का कथानुसार तार्किक विकास होना चाहिए।

VASUNDHARAHINDI.COM

प्रश्न 4) नाट्य रूपांतरण करते समय दृश्यों की क्या भूमिका है?

उत्तर : 1 - स्थान और समय का ध्यान रखकर नाटक के दृश्य लिखे जाते हैं।

2 - नाटक में प्रत्येक दृश्य का प्रारंभ, मध्य और अंत होता है।

3 - दृश्य कई काम एक साथ करता है। एक ओर दृश्य कथानक को आगे बढ़ाता है, तो दूसरी ओर पात्रों और परिवेश को संवादों के माध्यम से स्थापित करता है। साथ ही साथ एक दृश्य अगले दृश्य की भूमिका भी तैयार करता है।

प्रश्न 5) नाटक में विवरणात्मक टिप्पणी क्या है?

उत्तर : नाटक में कई विवरणों में स्थान देने के अलग-अलग तरीके हैं। जैसे - अगर विवरणात्मक टिप्पणी परिवेश के बारे में है, तो मंच सज्जा पात्रों के अंतर्गत किया जा सकता है या पार्श्व संगीत के माध्यम से। यदि विवरण पात्रों के बारे में है, तो संवादों के माध्यम से व्यक्त किया जा सकता है। इस प्रकार परिस्थिति, परिवेश, पात्र, कथानक से संबंधित विवरण लिए जा सकते हैं।

प्रश्न 6) नाटक के दृश्यों के क्रमिक विकास में संवादों की क्या भूमिका है?

उत्तर : कहानी का नाट्य रूपांतरण करते समय यदि पर्याप्त संवाद नहीं हैं, तो उन्हें लिखा जाता है। इस समय इन बातों का विशेष ध्यान रखा जाता है।

- नए लिखे संवाद कहानी की मूल संवेदना से मेल खाते हो।
- लिखे गए संवादों का सौ प्रतिशत औचित्य हो।
- संवाद छोटे, प्रभावशाली और बोलचाल की भाषा में हो, क्योंकि लंबे संवाद पढ़े तो जा सकते हैं, लेकिन मंच पर बोले गए लंबे संवादों से तारतम्य बिठाना कठिन होता है।

प्रश्न 7) नाट्य रूपांतरण में चरित्र चित्रण की क्या विधियाँ हैं?

उत्तर : - कलाकार की भाव-भंगिमाओं के द्वारा उस के तौर-तरीकों से चरित्र-चित्रण किया जा सकता है।

- स्थानीय रंग में संवादों को रंग कर चरित्र-चित्रण को परिमार्जित किया जा सकता है।

- ध्वनि और प्रकाश जी चरित्र चित्रण करने में कारगर हो सकता है।

प्रश्न 8) नाट्य रूपांतरण में पात्रों के मनोभावों, मानसिक द्वंद्व को कैसे व्यक्त किया जा सकता है?

उत्तर : मनोभावों व मानसिक द्वंद्व को प्रकट करने के लिए स्वगत कथन का प्रयोग किया जा सकता है। "वायस ओवर" अर्थात् ध्वनि, जो दर्शकों को तो सुनाई दे पर जिसे पात्र नहीं बोलता, के माध्यम से भी यह संभव है। फ्लैशबैक शैली का प्रयोग किया जा सकता है।

* * * * *

VASUNDHARAHINDI.COM